* M B I - 1 6 0 7 0 4 0 1 0 2 1 7 0 0 - 5 0 - 2 *

MBI-16070401021700 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. II) (CBCS) Examination

March / April - 2018

Hindi : Core - 4

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ उपन्यासकला के तत्त्वों के आधार पर 'गंगामैया' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए । १५

अथवा

१ उपन्यास के उद्‌भव–विकास पर प्रकाश डालिए । १५

२ हिन्दी के आँचलिक उपन्यास साहित्य विस्तृत चर्चा कीजिए । १५

अथवा

२ 'गंगामैया' उपन्यास का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''इधर गोपीचन्द की थैली का मुँह खुला, उधर कानून का मुँह बन्द हो गया ।''

(२) ''मानिक रहा नहीं, घायल गोपी कानून की गिरफ्त में पड़ा हुआ फैसले का इन्तजार कर रहा है । माँ–बाप और बहुओं के सिर पर एक साथ ही जैसे पहाड़ गिर पड़ा ।''

(३) ''यह कैसा रिवाज़ है मालकिन, आपकी बिरादरी का ? इस मामले में तो हमारी ही बिरादरी अच्छी है, जो कोई बेवा इस तरह अपनी जिन्दगी खराब करने को मजबूर नहीं ।''

(४) ''बूढ़ा बोल पड़ा, उसी की सेवा पर तो मेरा दम अड़ा है । उसकी सूनी माँग देखकर मेरा कलेजा फटता है । इसी उम्र में ऐसी विपति आ पड़ी बेचारी पर । फिर भी बेटा, मेरे रहते उसे कोई दुःख न होने पायेगा । वह मेरी बड़ी बहू है, एक दिन घर की मालकिन बनेगी । वह देवी है, देवी ।''

(५) ''बाप–बेटे के झगड़े में तू क्यों पड़ा है ? तू जाता क्यों नहीं ?

यह बाप–बेटे का झगड़ा नहीं है । यह पूरे समाज और उसकी लाखों विधवाओं का झगडा है । इसके साथ मेरी बहन की जिन्दगी का वास्ता है ।''

४ 'गंगामैया' उपन्यास के आधार पर 'गोपीनाथ' का चरित्र–चित्रण कीजिए । १५

अथवा

४ 'मटरूसिंह' का चरित्र–चित्रण कीजिए । १५

५ उपन्यास के तत्त्वों की विस्तृत चर्चा कीजिए । १०

अथवा

५ गंगामैया उपन्यास में व्यक्त समस्याओं की विस्तृत चर्चा कीजिए । १०